रहली तहसील का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य

(प्राचीन से अर्वाचीन)

डॉ. श्याम मनोहर पचौरी

Scanned with OKEN Scanner

© सर्वाधिकार - लेखकाधीन (डॉ. श्याम मनोहर पचौरी एवं
श्रीमती सुनीता पचौरी)

ISBN : 81-903893-5-1

प्रथम संस्करण : 2008

मूल्य : 200/-

सरोज प्रकाशन
(Saroj Computers and Publications)
(ई.एल.सी. हॉस्टल, विश्वविद्यालय रोड, सागर (म.प्र.)
मोबाईल : 9827232708, 9425637025)
द्वारा प्रकाशित

मुद्रक : दृष्टि ऑफसेट, भोपाल

2008

Rehli Tehseel ka Atihasik Evam Sanskritik Paridrishya
(Pracheen se Arvacheen)

Dr. Shyam Manohar Pachori

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

पृष्ठ क्रमांक

आमुख i-iii

अध्याय - एक : रहली तहसील का संक्षिप्त विवरण 11-43

नामकरण, भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक रूपरेखा, सामाजिक संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, खेलजगत, अखाड़ा, मनोरंजन, वैद्य वकील एवं डॉक्टर, सतीप्रथा, आर्थिक स्थिति, पशुपालन, वनोपज से आय प्राप्त करना, खनिज सम्पदा, वन सम्पदा, बीड़ी उद्योग, फर्नीचर उद्योग, कृषि यंत्र एवं उपकरण, डाक-तार, संचार एवं परिवहन, विद्युत व्यवस्था, राजनीतिक परिदृश्य, रहली वृहत् तहसील के रूप में, रहली नगरपालिका, रहली जनपद, रहली विधानसभा क्षेत्र, जनपद पंचायत की सूची, पंचायतों, पंचायतकर्मियों एवं सरपंचों की सूची, नगरपालिका परिषद् के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों की सूची, रहली-गढ़ाकोटा विधानसभा क्षेत्र के विधायकों की सूची

रहली का सांस्कृतिक वैभव

पूर्वी तट, पश्चिमी तट

बुंदेलखण्ड के लोकनृत्य : रहली जनपद केविशेष संदर्भ में

राई नृत्य, बरेदी नृत्य, जवारा नृत्य, बधाई नृत्य, मोनी नृत्य, ढिमरयाई नृत्य

रहली तहसील की साहित्यिक दृष्टि

कवि कारे, पं. सुखराम चौबे 'गुणाकर', कवि पं. श्री पुरुषोत्तम लाल दुबे, डॉ. संतोष कुमार तिवारी, डॉ. श्याम मनोहर सीरोठिया, श्री जानकी प्रसाद मिश्र, श्री शुकदेव प्रसाद तिवारी, पं. श्री लक्ष्मी प्रसाद तिवारी, श्री हरिनारायण तिवारी, संजय टोनी

रहली के तीन महत्त्वपूर्ण परिवार

खमरिया-पटैरिया परिवार, पटनागंज-हजारी परिवार, पंडलपुर-नायक परिवार

अध्याय - दो : रहली तहसील की प्रमुख सांस्कृतिक धरोहरें 44-89

सूर्य मंदिर, अतिशय क्षेत्र पटनागंज, रानगिर का हरसिद्धि मंदिर, पंढरीनाथ मंदिर, टिकीटोरिया मंदिर, रामेश्वर मंदिर, जगदीश मंदिर, गणेश मंदिर,

Scanned with OKEN Scanner

झाड़ी-हनुमान मंदिर, बादल बाबा, ऐतिहासिक किला, सिरारी के मराठाकालीन तालाब, देवलिया मंदिर, कचहरी (सिविल कोर्ट) स्थित हनुमान मंदिर, नगर के सिद्ध क्षेत्र

अध्याय - तीन : रहली तहसील के अनछुए फलक 90-107

बुंदेलखण्ड के क्रान्तिवीर सदाशिवराव मलकापुरकर, स्वतंत्रता सेनानियों की सूची, पं.श्री गोपाल भार्गव, रहली तहसील में पर्यटन विकास की संभावनाएँ, नौरादेही अभ्यारण्य, मेला रहस, गढ़ाकोटा एवं देवरी पूर्व तहसील के महत्त्वपूर्ण कस्बे

अध्याय - चार : सांस्कृतिक स्थलों की संरक्षण की समस्याएँ एवं उपाए 108-118

सार संक्षेप 119-123

संदर्भ ग्रंथ सूची 124-125

चित्रफलक i-viii

○○○

Scanned with OKEN Scanner

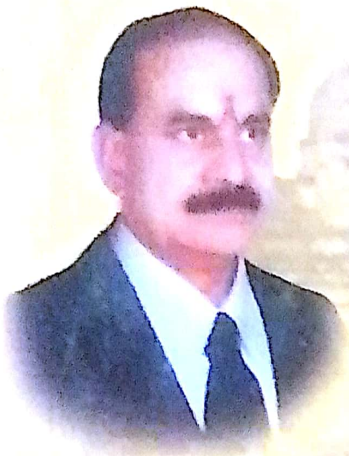

लेखक परिचय

नाम	:	डॉ. श्याम मनोहर पचौरी
जन्म	:	06.03.1956 गढ़ाकोटा, सागर
पिता	:	स्व. पं. श्री शिवदयाल पचौरी (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी)
माता	:	श्रीमती प्रेमबाई पचौरी
शिक्षा	:	डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से एम.ए., पी.एच.डी.(इतिहास) (शोध कार्य डॉ. बैजनाथ शर्मा के निर्देशन में)
अभिरुचि	:	पत्र-पत्रिकाओं में लेखन, पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण एवं सामग्री संचयन, ई.टी.व्ही. पर कतिपय साक्षात्कार प्रसारित,
शीघ्र प्रकाश्य	:	चंदेलकालीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य
आजीवन सदस्य	:	इंण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, कलकत्ता एवं मदनमोहन मालवीय फाउण्डेशन, बनारस
सम्मान	:	राष्ट्रीय गौरव सम्मान, इण्डिय इंटरनेशनल फ्रैण्डशिप सोसायटी, नई दिल्ली
उपलब्धि	:	मराठाकालीन सांस्कृतिक विरासतें एक सर्वेक्षण रहली तहसील के संदर्भ में (लघु शोध परियोजना-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भोपाल द्वारा प्रदत्त) पूर्व कुल सांसद - डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
सम्प्रति	:	प्राचार्य-शासकीय महाविद्यालय, गढ़ाकोटा, जिला सागर (म.प्र.)
सम्पर्क	:	एम.आई.जी. 35, पद्माकरनगर, मकरोनिया, सागर-470004 मोबाइल : 9302910606

सरोज प्रकाशन सागर

ISBN 81-903893-5-1

Saroj Computers, Sagar 9827232708

Scanned with OKEN Scanner